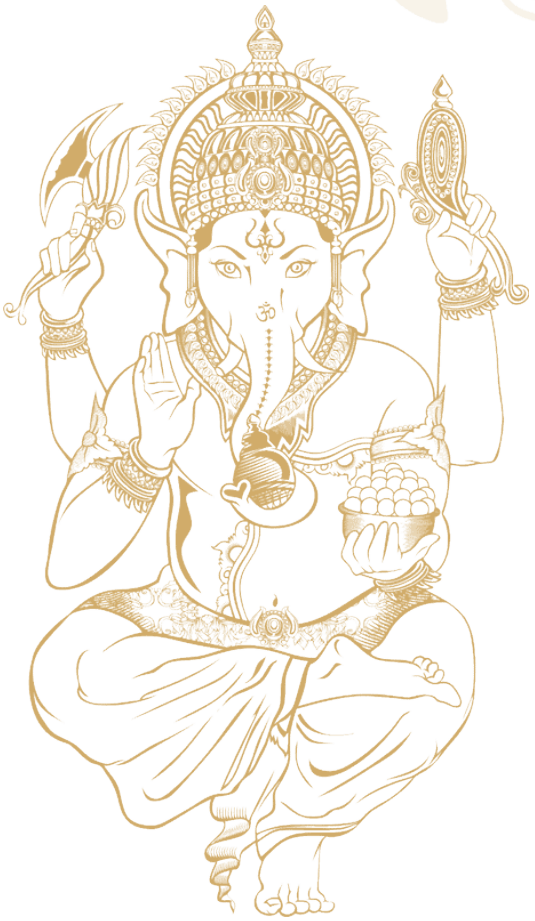

Mr. Shradda sharma

02 Aug 2004

08:25 AM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 119438104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/08/2004**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:25:00 घंटे**
इष्ट	06:08:14 घटी
स्थान	**Ujjain**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:11:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:58:20 घंटे
वेलान्तर	-00:06:14 घंटे
साम्पातिक काल	04:42:31 घंटे
सूर्योदय	05:57:42 घंटे
सूर्यास्त	19:07:39 घंटे
दिनमान	13:09:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:14:17 कर्क
लग्न के अंश	18:19:33 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:19:33	329:01:37	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कर्क	16:14:17	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	05:04:52	14:30:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			सिंह	00:49:39	00:37:55	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			सिंह	12:19:14	00:36:34	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु			सिंह	24:51:23	00:11:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	01:36:30	00:48:22	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मिथु	26:02:34	00:07:29	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मेष	12:16:26	00:10:10	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	12:16:26	00:10:10	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	11:52:29	00:02:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	20:11:03	00:01:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:50:09	00:00:51	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	18:12:08	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:07

लग्न-चलित

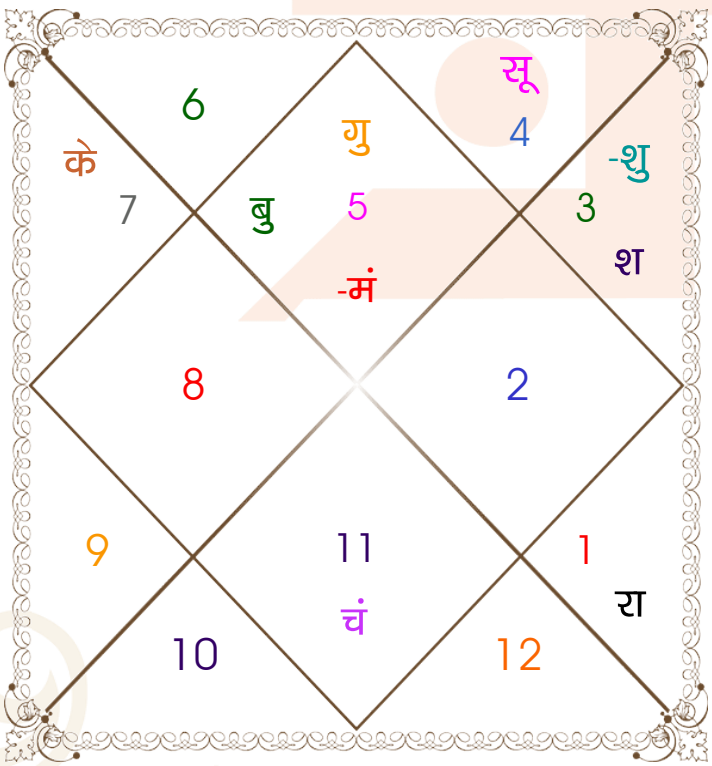

चन्द्र कुंडली

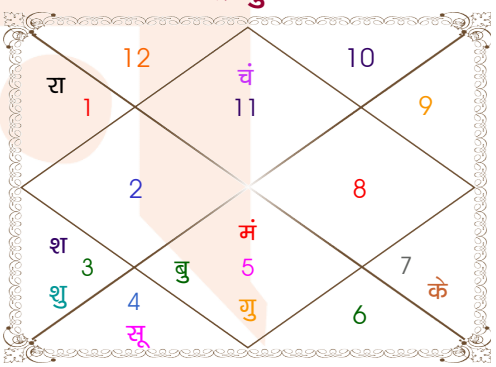

नवमांश कुंडली

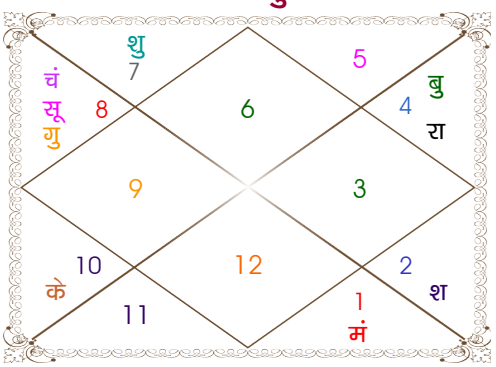

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 9 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/08/2004		02/06/2005		02/06/2023		02/06/2039		02/06/2058	
02/06/2005		02/06/2023		02/06/2039		02/06/2058		02/06/2075	
	00/00/0000	राहु	13/02/2008	गुरु	21/07/2025	शनि	05/06/2042	बुध	29/10/2060
	00/00/0000	गुरु	09/07/2010	शनि	01/02/2028	बुध	12/02/2045	केतु	26/10/2061
	00/00/0000	शनि	15/05/2013	बुध	09/05/2030	केतु	24/03/2046	शुक्र	26/08/2064
	00/00/0000	बुध	02/12/2015	केतु	15/04/2031	शुक्र	24/05/2049	सूर्य	02/07/2065
	00/00/0000	केतु	20/12/2016	शुक्र	14/12/2033	सूर्य	06/05/2050	चंद्र	02/12/2066
	00/00/0000	शुक्र	20/12/2019	सूर्य	02/10/2034	चंद्र	05/12/2051	मंगल	29/11/2067
	02/08/2004	सूर्य	13/11/2020	चंद्र	01/02/2036	मंगल	13/01/2053	राहु	17/06/2070
सूर्य	01/11/2004	चंद्र	15/05/2022	मंगल	07/01/2037	राहु	20/11/2055	गुरु	22/09/2072
चंद्र	02/06/2005	मंगल	02/06/2023	राहु	02/06/2039	गुरु	02/06/2058	शनि	02/06/2075

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/06/2075		02/06/2082		03/06/2102		03/06/2108		03/06/2118	
02/06/2082		03/06/2102		03/06/2108		03/06/2118		00/00/0000	
केतु	30/10/2075	शुक्र	02/10/2085	सूर्य	21/09/2102	चंद्र	03/04/2109	मंगल	30/10/2118
शुक्र	29/12/2076	सूर्य	02/10/2086	चंद्र	22/03/2103	मंगल	02/11/2109	राहु	18/11/2119
सूर्य	05/05/2077	चंद्र	02/06/2088	मंगल	28/07/2103	राहु	04/05/2111	गुरु	24/10/2120
चंद्र	05/12/2077	मंगल	02/08/2089	राहु	21/06/2104	गुरु	02/09/2112	शनि	02/12/2121
मंगल	03/05/2078	राहु	01/08/2092	गुरु	09/04/2105	शनि	03/04/2114	बुध	30/11/2122
राहु	21/05/2079	गुरु	02/04/2095	शनि	22/03/2106	बुध	03/09/2115	केतु	28/04/2123
गुरु	26/04/2080	शनि	02/06/2098	बुध	27/01/2107	केतु	03/04/2116	शुक्र	27/06/2124
शनि	05/06/2081	बुध	03/04/2101	केतु	03/06/2107	शुक्र	02/12/2117	सूर्य	03/08/2124
बुध	02/06/2082	केतु	03/06/2102	शुक्र	03/06/2108	सूर्य	03/06/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 10 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।